UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
International General Certificate of Secondary Education

CANDIDATE NAME	

CENTRE NUMBER						CANDIDATE NUMBER					

5998732624

HINDI AS A SECOND LANGUAGE **0549/01**

Paper 1 Reading and Writing **May/June 2007**

2 hours

Candidates answer on the Question Paper.

No Additional Materials are required.

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.
DO **NOT** WRITE IN ANY BARCODES.

Answer **all** questions.

At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

For Examiner's Use	
Section 1	
Section 2	
Total	

This document consists of **12** printed pages.

SP (SC/TL) T37560/5
© UCLES 2007

UNIVERSITY *of* CAMBRIDGE
International Examinations

[Turn over

खंड - 1

अभ्यास 1 प्रश्न 1-6 प्राकृतिक पदार्थों की बढ़ती लोकप्रियता

भारत सरकार के एक सहकारी उपक्रम 'खादी' ने देसी आहार का आरंभ किया है। वैसे तो यह कुछ समय पहले से ही प्राकृतिक ढंग से उगाए उत्पाद जैसे दालें, कॉफी और चावल बाजार में ला चुका है। इसके अलावा पुणे के समीप अनेक खेत पूर्णतः प्राकृतिक ढंग से फसल उगा रहे हैं। दार्जिलिंग के चाय बागानों ने भी प्राकृतिक ढंग से चाय उगाने का प्रयोग आरंभ किया था जिसे अब एक दशक से अधिक समय हो गया है क्योंकि विदेशी उपभोक्ताओं द्वारा प्राकृतिक ढंग से उगाई चाय की मांग बढ़ गई थी।

समस्त विश्व में मनुष्य द्वारा उपभोग किये जाने वाले खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों के अधिकाधिक बढ़ते प्रयोग के प्रति जागरूकता अब बढ़ गई है। प्राकृतिक रूप से उगाए पदार्थ वे हैं जिन्हें रासायनिक खाद या कीटनाशकों का प्रयोग किये बगैर प्राकृतिक ढंग से उगाया जाता है। यह एक समग्र अवधारणा है जिसके तहत खेती एवं कृषि कार्यों में प्रकृति के सिद्धान्तों का प्रयोग किया जाता है।

प्राकृतिक खाद्य पदार्थों की मांग के पीछे एक अन्य कारण लोगों की स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूकता में वृद्धि भी है। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे ऐसे एक कार्यक्रम की प्रबंधक ममता शर्मा कहती हैं, "अब लोग इन्हें खरीदने में रूचि दिखा रहे हैं, प्राकृतिक खाद्य पदार्थों को खरीदने में भारतीय किसी विदेशी से कम नहीं हैं।" खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा आरंभ किये देसी आहार का उद्देश्य उपभोक्ता को पौष्टिक और रसायन मुक्त विकल्प प्रदान करना है। देसी आहार के अंतर्गत मिलने वाले उत्पादों की सूची लंबी है और इनमें बासमती चावल, भूरा चावल, चाय, कॉफी,दाल, मिर्च और शहद आदि शामिल हैं। ये सभी उत्पाद पूर्व उपलब्ध उत्पादों से बहुत बेहतर हैं।

आज ऐसे अनेक गैर-सरकारी संस्थान हैं जो प्राकृतिक शाकाहारिता को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसा ही एक संस्थान अहिंसा रिसर्च फाऊंडेशन है। इसके महासचिव एल.एन.मोदी कहते हैं, "प्राकृतिक ढंग से उगाए कृषि उत्पादों का विवेचित मेल कहा जा सकता है। यह पर्यावरण अनुकूल परिवेश में उगाए शाकाहारी भोजन के उपभोग का प्रतीक है और इसमें वनस्पति, जीव जंतु या मानव जीवन को कोई हानि भी नहीं पहुँचती है। ऐसा भोजन न केवल स्वास्थ्यवर्द्धक होता है बल्कि शाकाहारिता के वास्तविक रूप का प्रतीक है।"

प्राकृतिक रूप से उगाए खाद्य पदार्थों के साथ-साथ अब प्राकृतिक रूप से उगाए कपास का चलन भी बढ़ता जा रहा है। कपास पर चूंकि हानिकारक कीटों का हमला अधिक होता है इसलिए कपास उगाने वाले किसान रासायनिक खादों और कीटनाशकों का सर्वाधिक प्रयोग करते हैं। कपास को जब प्राकृतिक ढंग से उगाया जाता है तो कीटों के प्रकोप की आशंका भी घटायी जाती है। इस ढंग से उगायी कपास भी उच्च कोटि की होती है। इससे तैयार सूती कपड़ा अधिक टिकाऊ होता है और इसकी दिखावट और चमक भी बेहतर होती है। भारत में कपास की प्राकृतिक ढंग से खेती मध्य प्रदेश में भोपाल के समीप और गुजरात में कच्छ के निकट होती है।

For Examiner's Use

1 कितने समय पहले से चाय की खेती नए ढंग से शुरू की गई?

....[1]

2 प्राकृतिक पदार्थों से क्या मतलब है?

....[1]

3 प्राकृतिक पदार्थों की बढ़ती मांग के अन्य कारण क्या हैं?

....[1]

4 प्राकृतिक पदार्थ सेहत के लिए बेहतर होने के अलावा और किसका प्रतीक हैं?

....[1]

5 खाद्य पदार्थों के अलावा अन्य किस चीज़ को उगाया जा रहा है?

....[1]

6 प्राकृतिक ढंग से कपास उगाने के क्या फ़ायदे मिले हैं?

....[1]

[अंक: 6]

अभ्यास 2 प्रश्न 7

मुकेश कुमार की उम्र 19 वर्ष है। वह दिल्ली विश्वविद्यालय का विद्यार्थी है। वह 7ए, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली 110017 में रहता है। वह दिल्ली विश्वविद्यालय में पिछले दो सालों से नाटक कर रहा है। वह दिल्ली की एक नाट्य संस्था के साथ दो मंच नाटक भी कर चुका है। उसकी अभिनय और निर्देशन में बेहद दिलचस्पी है।

उसने यह विज्ञापन अखबार में पढ़ा। वह इस नाट्यशाला में हिस्सा लेना चाहता है। मुकेश का टेलिफोन न. 23741243 है और उसका ई-मेल पता है mk203@yahoo.com

विज्ञापन

रंगमंच अभिनय, मंचसज्जा और निर्देशन के लिए आइए,
नाट्यशाला के अंत में नाटक की प्रस्तुति,
शुल्क - 500 रूपये,

संपर्क के लिए लिखें,
एस. के. गुप्ता, 260 साकेत, दिल्ली110029.

आप अपने को मुकेश कुमार मानकर आगे दिए गए आवेदन पत्र को भरिए।

नाट्यशाला 2007

आवेदन पत्र

पूरा नाम ....

उम्र .... (18 वर्ष से कम आयु वाले इसमें भाग नहीं ले सकते।)

स्थानीय पता ....
....

दूरभाष ....

ई-मेल ....
(अगर है)

आपने नाटक के क्षेत्र में क्या किया है? संक्षेप में बताइए।

....
....
....
....

आप इस नाट्यशाला में क्यों शामिल होना चाहते हैं? किन्ही दो कारणों को लिखिए।

....
....
....
....

आपकी दिलचस्पी नाट्यशाला में अभिनय, निर्देशन और मंचसज्जा में से किस क्षेत्र में ज़्यादा है और क्यों? किन्ही दो कारणों का उल्लेख करें। आप तीनों क्षेत्रों में से किसी एक क्षेत्र को ही चुन सकते हैं।

....
....
....
....
....
....

[अंक: 7]

[कृपया पृष्ठ पलटिए

© UCLES 2007

अभ्यास 3 प्रश्न 8 -11

श्री सुब्रत रॉय और 'सहारा' की सफलता की कहानी किसी भी भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत से कम नहीं है। मात्र दो हजार रुपए की पूंजी को आज उन्होने 32 हजार करोड़ रुपए की परिसंपत्ति आधार में तब्दील कर दिया है। 'सहारा' समूह की सफलता से लेकर विवादों तक जुड़े मुद्दों पर सहाराश्री से राजेंद्र तिवारी की बातचीत।

राजेंद्र - आपकी सफलता का रहस्य क्या है?
सुब्रत - मनुष्य के अंदर ढेर सारी ऊर्जा है। यह भावनाओं से जागती है। ज़्यादातर लोगों का दायरा छोटा होता है। पत्नी और बच्चे। बच्चे ठीक निकल गए, बेटी-बेटों का ब्याह हो गया, बस अब क्या चिंता ! भावना और कर्त्तव्य एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जहां भावना होती है, वहीं कर्त्तव्य होता है। आप अपने परिवार से जुड़े हैं और आप अपना कर्त्तव्य परिवार के प्रति समझते हैं। आपका परिवार एक सीमित दायरे में है और मेरा परिवार बहुत बड़ा है। इसमें छह लाख से ज़्यादा सदस्य हैं। इस लिहाज़ से मेरे कर्त्तव्य भी बड़े हैं।

राजेंद्र - शिक्षित इंजीनियर होने के बावजूद अपने लिए आपने पैरा बैंकिंग का क्षेत्र क्यों चुना?
सुब्रत - मेरे पिताजी भी इंजीनियर थे और मैंने भी इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। पिताजी की शिक्षा थी कि कोई काम छोटा बड़ा नहीं होता है। काम करने के तरीके पर सब निर्भर करता है। कोई बड़ा काम भी घटिया तरीके से किया जाए, तो वह तुच्छ लगेगा।

राजेंद्र - मीडिया व्यवसाय में रणनीति बदलने के पीछे क्या सोच काम कर रही है?
सुब्रत - मैं समझता हूं कि मनुष्य खबरों को जल्द से जल्द पाना चाहता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया यह काम कर सकता है लेकिन उसमें स्थानीय ख़बरों पर ज़ोर नहीं है। दैनिक अख़बार स्थानीय ख़बरों के आधार पर चलते हैं। हमने सोचा क्यों न हम स्थानीय ख़बरों को इलेक्ट्रॉनिक चैनल पर दिखाएं। लेकिन चैनल पर खबरों की विवेचना व विस्तार नहीं दिया जा सकता इसलिए हमने साप्ताहिक निकाला।

राजेंद्र - सहारा समूह की आगे बढ़ने की क्या योजनाएं हैं?
सुब्रत - हम बीमा क्षेत्र में उतर रहें हैं। हाउसिंग फाइनेंस का विस्तार कर रहे हैं। इसके अलावा, हम सुंदरबन को विश्वस्तरीय सुविधाओं वाले पर्यावरण मित्र पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की गौरवशाली परियोजना शुरू करने वाले हैं।

राजेंद्र - फिल्मों के क्षेत्र में आपकी ख़ासी रुचि देखने को मिल रही है?
सुब्रत - फिल्म के क्षेत्र में हालांकि अभी हम बहुत कुछ नहीं कर रहे हैं। अभी हमारी एक फिल्म बन रही है, 'नेताजी सुभाषचंद्र बोस'। अलबत्ता, फिल्म प्रदर्शन के क्षेत्र में हम एक बड़ी योजना बना रहे हैं। जिन 101 शहरों में हम अपनी आवासीय योजना शुरू करने वाले हैं, वहां हम अत्याधुनिक सिने कॉम्पलेक्स बनाएंगे। इन मल्टीप्लेक्स को उपग्रहों के ज़रिए जोड़ा जाएगा।

राजेंद्र - तेजी से बढ़ते सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी विविधीकरण की योजना है?
सुब्रत - आई टी बहुत बड़ा क्षेत्र है। एंबी वैली में हम हिंदुस्तान का सबसे बड़ा व आधुनिकतम सॉफ्टवेयर केन्द्र बनाने जा रहे हैं। हम लोग एक क्षेत्र में बहुत ज़्यादा रुचि रख रहे हैं और वह है ई-एजूकेशन। व्यक्तिगत रूप से मेरा मन इसमें लगा है। हम चाहते हैं कि घर-घर में अच्छी शिक्षा पहुंचे यह एक बड़ा कार्य है और इसमें समय लगा रहे हैं। हम लोग अपना एक शिक्षा केन्द्र बनाने जा रहे हैं और उसमें बहुत अच्छे शिक्षकों को एकत्र करेंगे। उनके भाषण कैमरे पर उतारेंगे और उनको घर-घर में दिखाएंगे।

© UCLES 2007

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

8 सुब्रत रॉय ने कितनी पूंजी से अपना कारोबार शुरू किया था? उनके अनुसार उनके परिवार में कितने सदस्य हैं?

....

....[2]

9 उन्होने इलेक्ट्रॉनिक चैनल के ज़रिए ख़बरों में कौन सा पहलू जोड़ा?

....

....[2]

10 उनके पिताजी क्या कहा करते थे?

....

....[2]

11 एंबी वैली योजना के तहत घर-घर में शिक्षा कैसे पहुँचाई जाएगी?

....

....[1]

[अंक: 7]

अभ्यास 4 प्रश्न 12

निम्नलिखित लेख जो प्रदूषण की समस्या पर केन्द्रित है उसे पढ़ने के बाद संक्षेप में लेख के मुख्य पहलूओं को अपने शब्दों में लिखिए।
आपका लेख संक्षिप्त और 100 शब्दों से ज़्यादा नहीं होना चाहिए।
पाठांश से वाक्य उतारना उचित नहीं है।

भयावह प्रदूषण

इस दुनिया के सामने यदि कोई ख़तरा सबसे भयावह है तो वह न तो बाहरी प्रतिस्पर्धा है और न ही गरीबी की बढ़ती फौज। जिस तरह धरती से लेकर आसमान तक प्रदूषण का दायरा बढ़ता जा रहा है, वह मानवता का सबसे बड़ा शत्रु बनता जा रहा है। ऐसा कोई क्षेत्र यहाँ बचा है जिस पर प्रदूषण की मार नहीं पड़ी हो। स्थिति यह है कि धरती पर रहना दूभर हो रहा है क्योंकि कहीं भी चले जाइए प्रदूषण बाँहे पसारे विनाश की दावत देता दिखाई दे रहा है।

'विश्व स्वास्थ्य संगठन' का कहना है कि सारी दुनिया में हर साल 30 लाख लोग घर के बाहर वायु प्रदूषण से अपनी जान गंवाते हैं। वाहनों तथा उद्योगों से निकली प्रदूषित वायु उन्हें इस दुनिया से ऊपर उठा देती है। घर के अंदर भी इंसान सुरक्षित नहीं है। लगभग 16 लाख लोग ख़ासकर ग़रीब मुल्कों के लोग घरों के अंदर ईंधन का उपयोग कर प्रदूषित वायु के शिकार होकर दुनिया को अलविदा कह जाते हैं।

वायु ही नहीं इस धरती पर अब जल भी सुरक्षित नहीं रहा है। विकासशील देशों में बीमार पड़ने और मरने वाले 80 प्रतिशत लोग जल-जनित रोगों के शिकार होते हैं। इन देशों में प्रति आठ सेकंड एक बच्चा जल-जनित रोग का शिकार होकर दम तोड़ देता है। प्रति वर्ष डायरिया और प्रदूषित जल से 21 लाख लोग इस दुनिया से कूच कर जाते हैं।

For Examiner's Use

[10]

अभ्यास 5 - प्रश्न 13-19 **खंड - 2**

हम्पी, स्वप्नों की नगरी

लगभग पांच शताब्दी पूर्व पुर्तगाली इतिहासकार डोमिंग पेस ने हम्पी (विजयनगर) को स्वप्नों की नगरी कहा था। यह संगम वंश के शासकों की राजधानी थी जिन्होने 1336 में प्राचीन हम्पी के निर्माण स्थल पर विजय नगर साम्राज्य की नींव रखी थी। लेकिन वह कृष्णदेव राय (1509-1529) थे जिन्होने भव्य महल और मंदिरों से राजधानी को अलंकृत किया और विजयनगर साम्राज्य की सीमाओं को दूर-दूर तक फैलाया जिससे वह दक्षिण भारत का सर्वाधिक शक्तिशाली हिन्दू साम्राज्य बना। परन्तु इस साम्राज्य की शक्ति का पतन पड़ोसी बहमई राज्यों के संघ के 1565 में संयुक्त आक्रमण से आरंभ हुआ। इस विजयनगर को परास्त करके नष्ट कर दिया गया। यह उस साम्राज्य का दुखद अंत था जो कभी अरब सागर से बंगाल की खाड़ी और दक्कन पठार से भारतीय प्रायद्वीप तक फैला था। विजयनगर के भग्नावशेष एक दूसरे पर टंगी विशाल चट्टानों की निर्जन दृश्यावली के बीच फैले हैं।

दक्षिण भारत के राजनीतिक परिदृश्य में अपने उदय से पूर्व हम्पी कई शताब्दियों से एक प्रख्यात पावन स्थल था। रामायण में जैसा वर्णित है यह बाली शासित क्षेत्र किष्किन्धा का एक भाग था। इस स्थान में बाली और सुग्रीव, हनुमान, राम सीता और लक्ष्मण से जुड़ी अनेक घटनाएं घटी हैं। तुंगभद्रा नदी के पार स्थित वर्तमान एनीगोण्डी दुर्ग इस बानर साम्राज्य का प्रमुख केन्द्र था। हम्पी के चट्टानी पर्वत जैसे हेमकूट पर्वत, मातण्ग पर्वत और माल्यावंथ पर्वत का उल्लेख रामायण में मिलता है। तुंगभद्रा का प्राचीन नाम और पार्वती का नाम पम्पा है जिसने विरूपाक्ष रूपी शिव से विवाह किया था। इसी नाम पर इस नगरी का नाम पड़ा है। हम्पी नाम की उत्पत्ति पम्पा या पम्पापति से ही हुई है।

अपनी राजनीतिक शक्ति के चरम पर विजयनगर साम्राज्य दक्षिण भारत हिन्दू धर्म का प्राचीर था और दिल्ली सल्तनत व पड़ोसी राज्यों जैसे गोलकुंडा, अहमदनगर, गुलबर्गा व बीदर से आक्रमणों को प्रभावी ढंग से रोकता था। लेकिन फिर 1565 में छिड़े तालीकोटा युद्ध में बहमई राज्यों ने विजयनगर के अभूतपूर्व इतिहास के पृष्ठों में अंत लिख दिया।

हम्पी की अधिकांश निर्माण रचनाएं कृष्णदेव राय (1509-29) के शासनकाल की हैं। विठ्ठल और कृष्ण मंदिर, विरूपाक्ष के गोपुर, नरसिम्ह और गणेश की भीमकाय प्रतिमाएं, विराट राजसी सभा मंच, भव्य पुष्करणी सीढ़ीदार जलाशय, जलसेतु और कई अनेक निर्माण कार्य इस प्रतापी शासक की प्रखर प्रतिभा के साक्षात प्रमाण हैं।

हम्पी की यात्रा का आरंभ हेमकूट पर्वत से करना सर्वोत्तम है। यह पर्वत छोटे छोटे तीन मंदिरों के समूहों से घिरा हुआ है जिनकी सीढ़ीदार पिरामिड सरीखी छतें हैं। अधिकांश मंदिर विजयनगर पूर्वकाल के हैं। हेमकूट पर्वत से विरूपाक्ष मंदिर और उसकी पृष्ठभूमि में बहती तुंगभद्रा नदी का विहंगम दृश्य देखने को मिलता है। फोटोग्राफी के लिए यह स्थान सर्वोपयुक्त है।

विरूपाक्ष मंदिर का 52 मीटर ऊंचा शानदार पूर्वी गोपुर और भव्य 700 मीटर लंबा मंदिर मार्ग हम्पी का व्यापार केन्द्र है। मंदिर में गोपुर से प्रवेश करने पर भीतरी प्रांगण के केन्द्र में मंदिर है जिसका प्रभावशाली स्तम्भों वाला मंडप है। गर्भगृह एक छोर पर स्थित है। इसमें विरूपाक्ष लिंग है जो परम पवित्र माना जाता है। इसकी भव्य भीतरी छत पर कुछ मूल विजयनगर के चित्र हैं। यहां कई छोटे मंदिर हैं जिनमें से एक विद्यारण्य का है। इस महान संत के आशीर्वाद से ही 1336 में इस राजधानी की स्थापना हुई थी। विरूपाक्ष मंदिर ही हम्पी का एकमात्र मंदिर है जहां प्रतिदिन पूजा की जाती है।

© UCLES 2007

For Examiner's Use

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही और ग़लत का निशान लगाकर दीजिए। यदि वाक्य ग़लत है तो पाठांश के अनुसार ठीक वाक्य को लिखिए।

	सही	ग़लत
उदाहरण - ब्रिटिश इतिहासकार डोमिंग पेस ने हम्पी को स्वप्नों की नगरी कहा था। **सही वाक्य** - पुर्तगाली इतिहासकार डोमिंग पेस ने हम्पी को स्वप्नों की नगरी कहा था।	✔	☐

13 विजयनगर साम्राज्य के पतन की शुरूआत बहमई राज्यों के संघ के संयुक्त आक्रमण से हुई। ☐ ☐

....

14 हम्पी के चट्टानी पर्वत जैसे हेमकूट पर्वत, मातण्ग पर्वत और मल्यावंथ पर्वत का उल्लेख रामचरितमानस में मिलता है। ☐ ☐

....

15 हम्पी का प्राचीन नाम पम्पा है? ☐ ☐

....

16 1565 में छिड़े तालीकोटा के युद्ध में बहमई राज्यों ने विजयनगर के इतिहास को अंतिम दौर में पहुँचा दिया। ☐ ☐

....

17 हम्पी की यात्रा का आरंभ तुंगभद्रा से करना चाहिए। ☐ ☐

....

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

18 किष्किन्धा का भाग किसके शासन का हिस्सा था? इस स्थान में किन पात्रों से जुड़ी घटनाएं घटी हैं?

....[1]

19 विजयनगर राज्य का फैलाव कहाँ तक हुआ था?

....[1]

[अंक: 10]

अभ्यास 6

मोबाइल फोन पर प्रतिबंध

अगले महीने की पहली तारीख से स्कूल में मोबाइल फोन के प्रयोग पर पाबंदी होगी। कोई भी विद्यार्थी स्कूल में मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए देखा गया तो उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया जाएगा।

आदेशानुसार
प्रधानाचार्य

आपके स्कूल में मोबाइल फोन पर रोक लगाई गई है। आप एक पत्र लिखकर प्रधानाचार्य को अपने विचार व्यक्त कीजिए। यह भी बताइए कि आप इस प्रतिबंध से सहमत हैं या असहमत। आपका पत्र 150 या 200 शब्दों से ज़्यादा नहीं होना चाहिए।
लिखित पत्र पर अंक विषय संबंधी अंर्तवस्तु, शैली और सही भाषा लिखने पर दिए जाएंगे।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

[अंक: 20]

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.

© UCLES 2007